

# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

प्रश्न  
संख्या

1 A तापीय प्रतिलोमन

सामान्यतः ऊंचाई बढ़ने पर तापमान में गिरावट प्रतिलोमन की स्थिति में कम उलट जाता है धरातल के निकट की वायु ठंडी हो जाती है प्रभाव → बोधरे में हुई।

1 B मिश्रित वृषि

वृषि वर्षा के साथ पशुपालन करना अतिरिक्त घास सृजन में सहायक कृषकों की प्रायः में वरीयरी

1 C आपदा राहत प्रबंधन नियम 2005 के अनुसार  
किसी आपदा के पश्चात राहत व पुर्नवास  
पहुंचाना

नुकसान को कम करना, सुरक्षित स्थान पर ले जाना व्यक्तियों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध करवाना



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 D

सापेक्ष आर्द्रता

वायु में उपस्थित जलवाष्प तथा इसी तापमान पर इसी वायु की आर्द्रता के अनुपात को सापेक्ष आर्द्रता कहते हैं।  
आम आर्द्रता बढने पर संघनन व वर्षा की लिया।

1 E

जेट पवनें

समतापमंडल के निचले स्तर पर चलने वाली पवनें गति बहुत तेज 150 से 200 कि.मी. घंटा ये 150km चौड़े क्षेत्र में चलती हैं।  
भारतीय मानसून के लिए सहायक

1 F

मकनलिया अपरदन

जल व वायु द्वारा मिट्टी का अपरदन से निर्मित बड़ी, गहरी व चौड़ी नालियाँ का निर्माण अपरदन से मिट्टी बंधर व अपरदन उदा० चंदल का उदा० भूमि समूह (बीहड़)



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

संख्या  
दिनांक

प्रश्न संख्या

1 C

एटात प्रवाल द्वारा घरे द्वीप को घेर कर बनी हुयी द्वीप वे चारों ओर मृंगो, प्रवाल जीवों का घेराव



उदा० फिजी एटात

डीपी प्रसारण अनुपात

सूर्यात्प. के पूरबी के उत्तराने के पश्चात परावर्तित भाग को एलबरी उद्ये है। इससे पूरबी का कुष्मा ववर संतुलित रहता है।

उदा० 100 में से 35 घंतरिक्ष में परावर्तित

गांधी सागर बांध

चम्बल घाटी परियोजना के यंत्रणा

स्थान → 1960 में, मंदसौर

म.प्र. व राजस्थान की संयुक्त परियोजना

विपुल क्षमता → 115 MW.



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

1 J

सौर्यीय स्थिरांक -

सूर्य से प्राप्त ऊर्जा को 1 सेमी क्षेत्र में गृहण करने की क्षमता

1 K

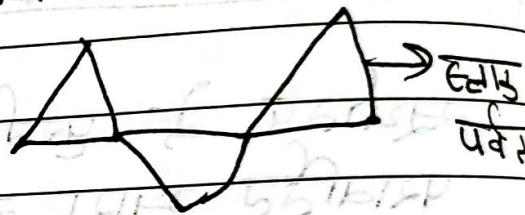
भ्रंशोत्पन्न पर्वत

निर्माण तनाव व खिंचाव के कारण

भ्रंश के बीच का हिस्सा नीचे धंस जाना

बुद्ध भाग का ऊपर उठना। द्विभाज्य पर्वत बुद्धोत्पन्न है।

उदा. अमेरिका का सिद्धा नेवादा



1 L

नर्मदा नदी

दोनों ज्वरनदमुख का निर्माण करती है।

भ्रंश घाटी में बहती है।

1 N

प्लेट टेक्टोनिकस जोरी पर आधारित अवधारणा  
द्विभाज्य प्लेट का यास्ट्रेलियन प्लेट से टकराव  
से टिथिस सागर का अवसाहित होना



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 N

ITCZ मूल-मध्य रेखा से 10° उत्तर व 10° दक्षिण तक निम्न दाब वाला क्षेत्र मानसून गर्म हो जाता है। भारत में गर्मियों में ITCZ छूट जाता है।



1 0

शस्य गहनता

एक वर्ष में उगाई गयी फसलों की संख्या

$$\text{शस्य गहनता} = \frac{\text{1 वर्ष में कुल कृषि क्षेत्र}}{\text{1 वर्ष में शुद्ध कृषि क्षेत्र}} \times 100$$



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

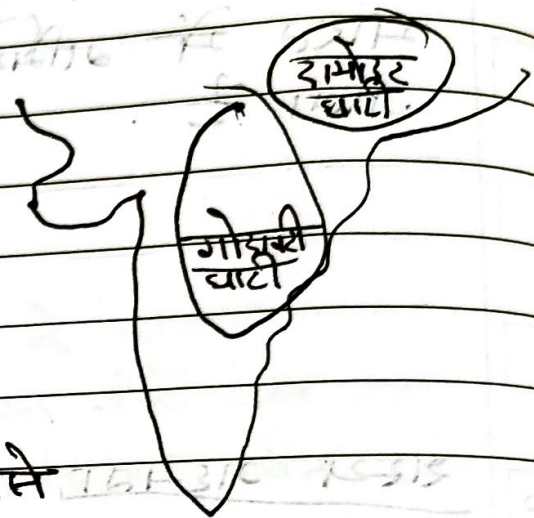
प्रश्न संख्या

2 1

भारत में बौद्धता ईशान्य के साथ उद्योगों के लिए उच्च माल का स्रोत भी है।

भारत के बौद्धता क्षेत्र

कुल मंदिर → 285 परवरन



दामोदर घाटी क्षेत्र

पं. बंगाल → रामगंज (सबसे बड़ा बौद्धता क्षेत्र)

झारखंड → सरिया बोटारी

छत्तीसगढ़ → तानावानी क्षेत्र

ओडिसा → तात्पर क्षेत्र

गोदावरी क्षेत्र

दक्षिणी गुजरात का बौद्धता

नेवेली → तमिलनाडु (लिगनाइट प्रकाश)

बौद्धता के प्रकार

(1) जैसलमेर (80% कुर्वन)

(2) विद्युमिस (60% कुर्वन)

(3) लिगनाइट (40%)

(4) पीट (35%)



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

प्रश्न  
संख्या

2 13

भारत में मोल्नजीसी द्वारा प्रद्वोलियम पदार्थों का खनन किया जा रहा है।

भारत में अनुमानित 620 करोड़ टन तेल है

भारत में तीन क्षेत्र प्रद्वोलियम पदार्थों

(1) असम तेल क्षेत्र - यह भारत का सबसे पुराना तेल क्षेत्र है।  
- डिग्वोई से 1902 से प्रद्वोलियम खनन किया जा रहा

(2) मुम्बई हाई क्षेत्र → मुम्बई के समुद्र में स्थित 1976 से खनन प्रारंभ 60% खनिज तेल की प्राप्ति सागर सम्राट जहाज द्वारा तेल का निष्कर्षण

(3) गुजरात क्षेत्र → रंभात की खाड़ी व मन्नेश्वर भावनगर व डलोड क्षेत्र

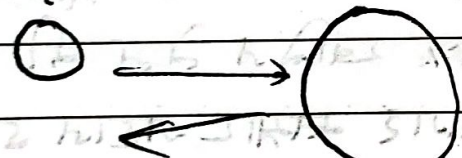
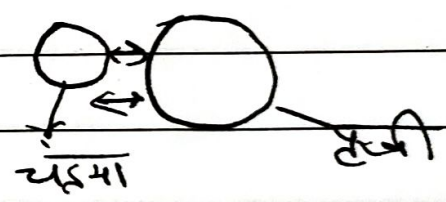
(4) बृहणा गौदावरी क्षेत्र - रावा थपल से

भारत मुख्यतः अपने प्रद्वोलियम की आवश्यकताएं विदेशों से आयात करके करता है जिसमें ईरान व अरब देश प्रमुख हैं।



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या			
2	C	उपभू	उपभू
		चंद्रमा, पृथ्वी से	चंद्रमा पृथ्वी से निकलने
		यदि इसमें इसी पर	इसी पर
		ज्वार भाटा का	ज्वार एवं निम्न
		सम समी मौसम	ज्वार की उत्पत्ति
		सुचारि से सम	
		होना है।	
		गुरुत्वानुषंग	गुरुत्वानुषंग मधीत
		होना है।	होना है।
		चंद्रमा	
			
		इसी प्रत्यासिद्ध	
		पृथ्वी	



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

कार्य  
क्रम  
संख्या

प्रश्न  
संख्या

2  D

ज्वालामुखी वह छिद्र होता है जिससे गैस, लावा, राख का उद्गार होता रहता है। विस्फोट होने पर लावा भू-पटल पर बह जाता है।

ज्वालामुखी के प्रकार

(1) सुप्त ज्वालामुखी

(2) प्रसुप्त ज्वालामुखी

(3) जागृत ज्वालामुखी

स्वालाहृति

(1) वैपोलिटिप → मैग्मा के जमने के कारण गुम्बदनुमा संरचना

(2) लैबोलिटिप → उतल ढाल वाला जमाव

(3) सिल → लावा के लैलिटिड जमाव के रूप में

(4) डाइड → लावा का लम्बवत जमाव

(5) स्ट्राइ → डाइड के छोटे स्वरूप को स्ट्राइ कहते हैं।

यह स्वालाहृतियाँ लावा के जमने के फलस्वरूप निर्मित होती हैं।



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

2 E

भारत में मृदा को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। देश की कृषि उत्पादन में जीविका कृषि पर आधारित है।

मृदा संरक्षण हेतु कार्य

- वृक्षारोपण करना
- फसल चक्र को प्रयोजन
- मेडवैदी करना
- स्वामान्तरित कृषि को बढ़ा करना
- अनिश्चित पशुचारण पर रोक
- वैज्ञानिक पद्धति से कृषि कार्य

मृदा संवर्धन हेतु

- (1) जैविक कृषि - इण्डिया का प्रथम 100% कृषि राज्य → सिद्ध
- (2) जैविक खाद का प्रयोग
- (3) ट्रिप सिंक्राई का प्रयोग
- (4) जैव प्रौद्योगिकी वाली फसलों का प्रयोग करना।



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए में न लिखे

प्रश्न संख्या

2 4

खाद्य प्रसंस्करण से प्राप्त खाद्य-पदार्थों की क्षमता, गुणवत्ता व इन्हें अधिक उपयोगी बनाए जाने में हैं।

→ दुर्गम व कठिन क्षेत्रों में भोजन की उपलब्धता

खाद्य प्रसंस्करण की उपयोगिता

→ मूल्य संवर्धन का होना

→ प्रतिरिक्त माध्य में सहायक

→ मेगा फूड पार्कों की स्थापना से प्रसंस्करण क्षेत्र में वृद्धि

→ रोजगार में सहायक

→ खाद्य आपूर्ति करने में सक्षम

→ भारत के खाद्य पदार्थों को विश्वस्तरीय बनाने में सहायक

परिवहन में आसानी व त्वरित







# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

भारत में लौह उत्पात एक महत्वपूर्ण  
उत्पन्न हैं। लौहा को पर्यवस्था की  
रीट की हडि उदा जाना हैं।

लौह उत्पात के उत्पादन में चीने स्थान पर हैं।

भारत में चार प्रकार का लौहा पाया जागा हैं

(1) मैग्नेटाइट →

(2) हेमेटाइट -

(3) लिमेडाइट -

(4) सिडेराइट -

भारत के प्रमुख लौहा उपस्थ के क्षेत्र

(1) हत्तीसगढ → दलतीराजहरा व वैलाड़िना  
की खान

(2) कर्नाटक → बावा वून की पधरिया कुड़ेमुख

(3) उड़ीसा → ब्योसर लौहा क्षेत्र

(4) आंध्रप्रदेश → नुडुवा की खानें

भारत ने लौहा उत्पात के उत्पादन में वृद्धि की है।







# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिप  
में न  
लिखे

प्रश्न  
संख्या

2 K

सिंचाई कृषि के लिए प्रति आवश्यक है।  
उत्पादन का सीधा संबंध सिंचाई से है।

निम्न तरीकों से सिंचाई की जाती है।

(A) जल निकास द्वारा  
(1) मलबूजों द्वारा सिंचाई भारत में 10% तक की जाती है।

(2) कुंयो द्वारा पानी की सिंचाई

(B) पृष्ठीय सिंचाई विधि

- ↳ नहर द्वारा
- ↳ नालाव द्वारा
- ↳ ब्यारी विधि

(C) टपक विधि द्वारा

- ↳ पौधों की जड़ों में पानी
- ↳ शुष्क कृषि का उदाहरण
- ↳ इजराएल द्वारा निर्मित

(D) स्प्रिंकलर द्वारा सिंचाई

- ↳ स्प्रिंकलर का प्रयोग गुरी के पारप की सघनता से सिंचाई

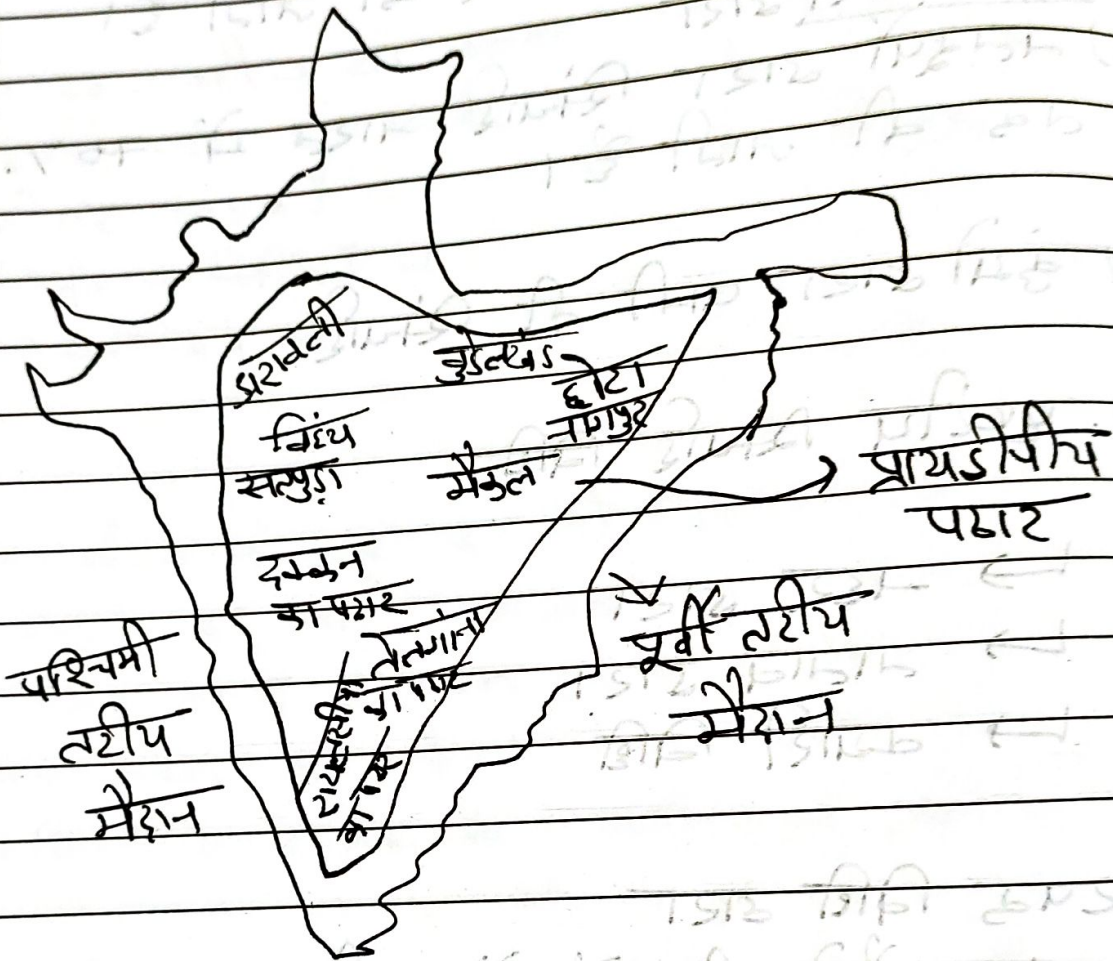


प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

3 1

प्रायद्वीपीय पठार यह गोंडवानालैंड का भाग है। इसकी साहसि जिम्बुवाबर हैं



प्रायद्वीपीय पठार अनेक भागों में विभक्त है

- (1) कुर्लखंड का पठार
- (2) दोंडाखंड का पठार
- (3) दोंडाखंड का पठार
- (4) तेलंगाणा का पठार
- (5) रायतसीमा का पठार



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

नाम  
नं.  
लिखें

प्रश्न संख्या

(क) शिलांग का पठार

(ख) छोटा नागपुर का पठार

(ग) बुंदेलखंड व मध्यांचल का पठार

→ सतपुड़ा नर्मदा व तापति के बीच  
भ्रंश घाटी पर स्थित पठार

→ यह विद्याचल पर्वत श्रृंखला के  
दक्षिण में महीव घाटी में डाला  
पहाड़ियों के रूप में छोटा नागपुर तट  
विस्तृत घुपगट सबसे ऊंची चोटी

(घ) अरावली श्रेणी → श्री-वैश्वानर शिखर की चट्टान  
विश्व की सबसे प्राचीन  
पर्वत श्रेणी

गुरु शिखर चोटी → 1522 मी.

(ङ) शिलांग का पठार → गारो-खासी जयंतिया  
पहाड़िया

(च) छोटा नागपुर का पठार → खनिज संयंत्र से सम्पन्न  
बोयला, मैंगनीज, लौहा  
सबसे अधिक



मुख्य परीक्षा  
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

तेलंगाणा पठार - यन्नामलाई श्रेणी में स्थित  
नीलगिरी में स्थित

2

डोजवेरटा  
नीलगिरी के दक्षिण में यन्नामलाई

शैलवेरटा ग्रेप कॉरिम  
पहाड़ियों में

पश्चिमी घाट - ताप्ती के मुहाने से लेकर  
कुन्यासुमारी तक

भौगोलिक विस्तार लम्बाई → 1600 km  
ऊँचाई → 1200 मीटर  
दूरी → चालघाट, मोरघाट, जालघाट

प्रायद्वीप पठार का विस्तार उत्तर में  
अरावली पर्वत से लेकर मैघालय के पठार  
तक पूर्व में, दक्षिण में तमिलनाडु के जावदी  
वा शैलराज की पहाड़ियों तक विस्तृत  
रूप में फैला हुआ है।



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हास्य  
में न  
लिखें

प्रश्न  
संख्या

2

लेट निर्वतनकी सिद्धांत हैरी डैस ने 1922 ई.  
में प्रस्तुत किया, जो की बेगनर के  
महाद्वीपीय सिद्धांत का विकास माना जाता है।

सिद्धांत - संपूर्ण पृथ्वी क्षेत्रों में विभाजित है  
और यह दोरी बड़ी क्षेत्रों एस्पेनोस्फेयर  
पर फैली रहती है। सभी तब तक बड़ी क्षेत्र  
व 20 छोटी क्षेत्र को पहचाना गया है।

- (1) यूरोशियन क्षेत्र
- (2) इंजोशियन क्षेत्र
- (3) उत्तरी अमेरिकन क्षेत्र
- (4) दक्षिणी अमेरिकन क्षेत्र
- (5) अफ्रीकन क्षेत्र
- (6) अंटार्क्टिक क्षेत्र
- (7) अंडमन प्रशांत क्षेत्र

(1) रचनात्मक विनाश - जब दो समान  
घनत्व वाली क्षेत्रों एक-दूसरे के विपरीत दिशा  
में गति करती है तब दोनों के बीच में  
भू-पर्पटी में दरार बन जाती है। इससे एस्पेनोस्फेयर  
का मेग्मा जमीन पर यागार तब भू-पर्पटी का  
निर्माण करता है। क्षेत्रों के इस तरह के विनाश



प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

बो रचनात्मक विनारा उद्ये हैं।

(2) विनाशात्मक विनारा -

जब दो लैट पामि सामने होडर टकराती हैं तो अधिक दबक की लैट दम घनत्व की लैट के नीचे घंस जाता है यहा पर लैटो का विनाश होता है इसलिये इसे विनाशात्मक विनारा उद्ये हैं।

ऐसी लैट अभिसारी लैटें कहानी हैं। उ प्रकार से लैटो की यत किया वेती है

(1) जब एक लैट महादीपीय व इसरी महासागरीय हो तो महासागरीय लैट अधिक भारी होने के कारण लैट के नीचे चली जाती हैं जिससे गर्त का निर्माण होता है गर्तों में अक्सर ठे जमने से मोड़दार पर्वतों का निर्माण होता है।

उदा० शकीज व एीज पर्वत

(2) जब दोनों लैट महासागरीय हो तो वही व भारी लैट घंस जाती हैं।



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

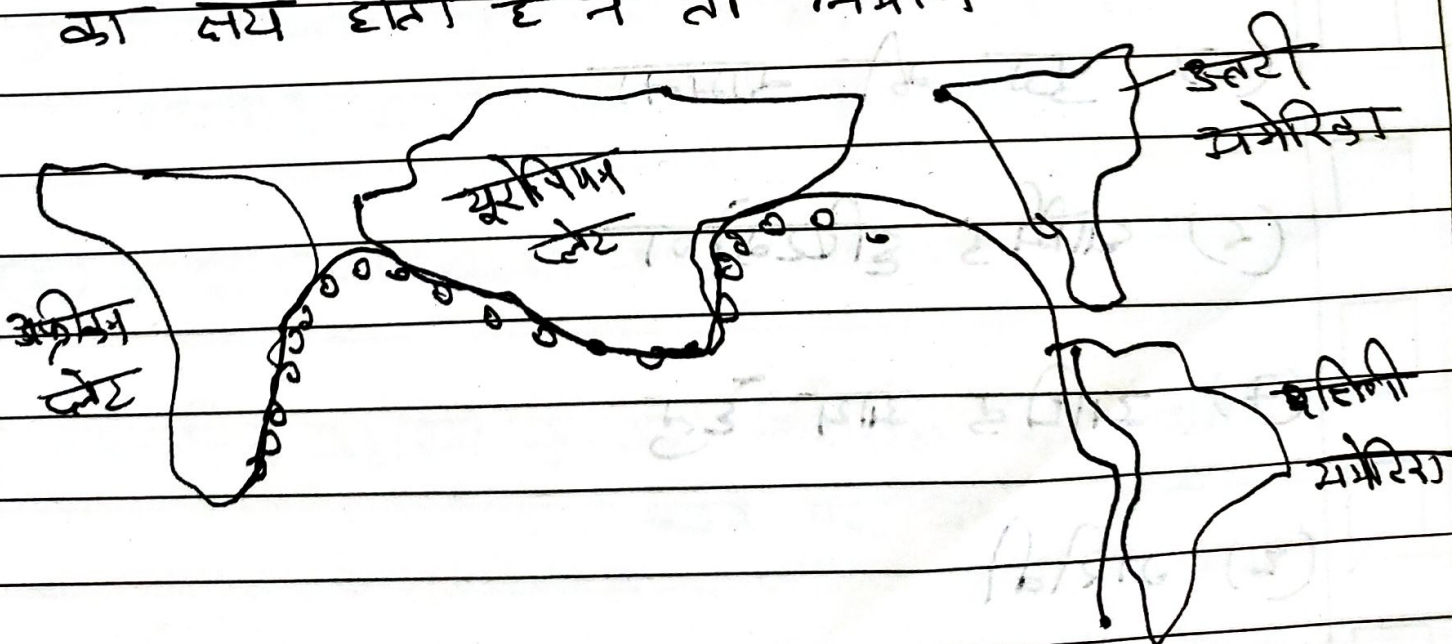
प्रश्न  
संख्या

जिसके परिणामस्वरूप गर्त व ज्वालामुखी  
एक शृंखला बन जाती है।

(2) जब दो प्लेटों के मध्य अग्रिसरण  
होता है तो अधिगमित क्षेत्र अधिक प्रभावित  
नहीं हो पाता जिससे वही ज्वालामुखी  
फूट नहीं पाता।

उदा० हिमालय पर्वत का निर्माण

(3) संरक्षी विनारा - जब दो प्लेटें एक  
दूसरे के समानतर खिसकती हैं तो  
उनमें कोई क्रिया नहीं होती। इसे संरक्षी  
विनारा कहा जाता है। इसे संरक्षी इसलिए  
कहा जाता है क्योंकि इससे न तो प्लेट  
का लय होता है न तो निर्माण









**मुख्य परीक्षा**  
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 

सरकारी प्रयास

(1) परिवार नियोजन सेवाओं को बढ़ाना

(2) गैर सरकारी संगठनों की सहायता

(3) आशा कार्यकर्ता द्वारा गर्भ निरोधक साधनों के प्रचारों में वृद्धि

(4) दूध परिवार व सुखी परिवार के नारों का उपयोग

(5) टीवी, रेडियो में जनजागरण का प्रसार

(6) दो बच्चों तक परिवार को रोकने पर सरकार द्वारा वित्तीय पुरस्कार

(2) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000

तात्कालिक उद्देश्य - गर्भ निरोधकों का उपयोग करने पर बल

मध्यमकालीन उद्देश्य - 2010 तक कुल जनम दर 2.1 तक लाना



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

डीघनातीन श्रेण्य → 2045 तक विपर  
जनसंख्या के लक्ष्य  
की प्राप्ति

जनसंख्या नीति 2000 के श्रेण्य

(1) कुल प्रजनन दर को 2.1 तक लाना।

(2) 2 बच्चों के बीच में गर्भनिरोधक  
सेवा का उपयोग

(3) शिशु मृत्युदर को कम करना

(4) राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग 2000  
स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन

भारत में बढ़ती जनसंख्या वृद्धि रोकने  
के लिए गर्भनिरोधकों का प्रयोग किया  
जाना चाहिए ताकि संसाधनों पर दबाव  
की स्थिति ना बन सके।



Paper - 2  
Part - 2

# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

A

समप्राय मैदान

B

जब जब भारत में ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली गर्म व शुष्क पवनें यह गर्म होती हैं लू लगने से शरीर में गर्मी हो जाती है।

C

कालेरा  
ज्वालामुखी शंकु के विस्तृत रूप  
मुख्य विस्फोट के कारण वडा  
उदाह संयुक्त राज्य अमेरिका का 'ब्रेटर लेड'



प्रश्न संख्या

म.प्र. राज्य

1 D

प्रवाल विरंजन

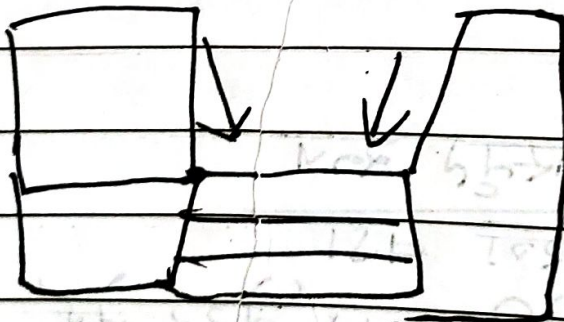
मृगा व पालिप जीव को खासीजिन न मिलने पर प्रवाल संश्लेषण की क्रिया नहीं होती जिससे वो सफेद हो जाते हैं प्रवाल विरंजन कहलाता है

उदा० कोरियट रीफ, यास्ट्रेलिया

1 E

शिफ्ट घाटी (भ्रंश घाटी)

जब दो भ्रंश रेखाओं के बीच का भाग नीचे धंस जाता है यह लम्बी, गहरी घाटी होती है



भ्रंश घाटी

उदा० नर्मदा व ताप्ती भ्रंश घाटी



प्रश्न संख्या

F

प्रशांत क्षेत्र की अग्नि चलय

(1) यहां विनाशकमय लहर के किनारे मिलते हैं।

(2) विश्व के 2/3 ज्वालामुखी पाए जाते हैं।

(3) अंटार्कटिका से शुरू होकर सभी पर्वतमाला तक फैलाव

G

हिमोढ

हिमानी द्वारा अपरदित व परिवर्तित पदार्थों

का निक्षेप उन्हीं स्थानों पर जहाँ हिमनियां पिघलती हैं।

H

इसैलवर्ग



I

धारणीय प्रबंधन

ऐसा प्रबंधन जिसमें वर्तमान की आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की भी आवश्यकताओं को पूर्ण किया जा सके।

J

समस्याग्रस्त मृदा

जिस मृदा में ह्यूमस, कार्बनिक पदार्थ की क्षमता न हो  
समस्याग्रस्त मृदा → राजस्थान की चूकी  
वृम उपज का होना → मुख्य समस्या

K

चिनोबिल दाहसा

26 अप्रैल 1986 को यूरेन में घटित रेडियोधर्मी पदार्थ का फैलाव भारी संख्या में जन-जन की हानि



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

प्रश्न  
संख्या

L

कुशल सिंचाई

जिसमें पानी की नवीदीन हो  
सस्ती व आसान प्रक्रिया हो  
उपघटे उपलब्ध हो

उदा० नल रूप द्वारा सिंचाई

M

मृत घाटी

उत्तर अमेरिका का सबसे गर्म व शुष्क क्षेत्र  
अमेरिका के नेशनल पार्क में फैली हुयी  
यह एक रेगिस्तान के रूप में है।

N

महासागरीय निलेप

महासागर के तट पर जमे अवसाद  
निलेप के प्रकार → बजरी, रेत, पेंक

ज्वालामुखी झरोके से निकले पदार्थ  
जैविक पदार्थ



# IAS प्रमुख परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 0

अश्व यंत्राण

(1) बर्फ व मकर के दोनो षागो में असे 200 असी व दसिगी इ प्रलाशो में उच्च वायुदाव का क्षेत्र

(2) वायुमूल शान्त क्षेत्र

(3) नाबिको बरा घीरे केउने के कारण

नामकरण उ नम वायु के कारण

1 P

सर- ग्रीक

भारत व पाकिस्तान के बीच अवरिनडमुखीय क्षेत्र

व 6 Km लंबाई में विवद

भारत व पाक के बीच विवादित क्षेत्र

कुल क्षेत्र - 650 कि.मी



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

1. ज्वालामुखी भू-पटल पर बहने से जिनसे  
गैस, राख, लावा निकलते हैं

ज्वालामुखी में विस्फोट के कारण शंकु  
का निर्माण होता है

(1) सिंटर या राख शंकु

कुम ज्वालामुखी पर सिंटर

राख से निर्माण

ठाल अधिकांश वा क्रेटर चौड़ा

(2) लावा शंकु

2 प्रकार अग्नीय - सिलिका की मात्रा अधिक

द्वारतीय - सिलिका की मात्रा कम

(3) मिश्रित ज्वालामुखी शंकु

अधिक कुचई

अग्नीय व द्वारतीय दोनों

उदा० जापान की फ्यूजीयामा

(4) चारिपोषित शंकु

क्रेटर से उप-नलिका का निर्माण

एक शंकु के ढाल पर अन्य

ज्वालामुखी



प्रश्न संख्या

श्न क्रमा

2 C

मृदा निर्माण ह्यूमस, कार्बनिक व प्राकार्विक पदार्थों से मिलकर मिट्टी का निर्माण होता है।

D

मृदा निर्माण के कारक

(1) वर्षा या आर्द्रता

↳ मृदा में उपस्थित नमी व आर्द्रता

↳ वर्षा से निक्षालन व निक्षेपण

(2) तापमान

↳ अधिक तापमान पर उपस्थित

की दर अधिक

↳ कार्बनिक पदार्थों के विच्छेदन

की गति बढ़ जाती है।

(3) वनस्पति

↳ मृतक पौधों की पत्तियों से मृदा निर्माण

(4) वायु का प्रभाव

(5) जैविक कार्य

(6) वाष्पीकरण की मात्रा मृदा निर्माण में सहायक होती है।



प्रश्न संख्या

# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए में न लिखे

2 D

पारिस्थितिक तंत्र जैविक चक्र और जैविक चक्र सतत रूप से अंतराक्रिय होते हैं इनमें अन्तः क्रिया होती रहती है।

तंत्र पर मानवीय प्रभाव

(1) मृदा, जल, वायु प्रदूषण के रूप में

(2) ग्लोबल वार्मिंग में अंतराक्रिया में CFC व हेलोजन के कारण मॉड्रियल बनादा में सम्मेलन

(3) मू-मंडलीय तापन से पृथ्वी का तापमान का बढ़ना

(4) लूफान चक्रवर्तों का बढ़ना

(5) महासागरों का प्रदूषण बढ़ना वैश्विक तापन के कारण

(6) अम्लीय वर्षा वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड व नाइट्रोजन डाइऑक्साइड मिलकर वर्षा

मनुष्य को पर्यावरण के साथ मिलकर पृथ्वी को सतत विकास की प्रवृत्तियाँ विकसित उन्नीसवीं



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या	उत्तर	नया
2 F	भारत में जूट उद्योग पश्चिमी क्षेत्र में अवस्थित है क्योंकि यहाँ जूट उद्योग की उन्नत उद्योग परिस्थितियाँ हैं।	14
	जूट उद्योग	
	(A) यह बच्चा माल व्यापारिक उद्योग है।	
	(B) भारत में पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के किनारे अवस्थित है।	
	(C) जूट को सुनहरा रेशा भी कहा जाता है।	
	(D) जूट का पदमा बरखाना इसरा में 1855 में लगाया गया था।	
	(E) जूट पर्यावरण हितैषी है जिससे माछा इसी मांग में बृद्धि हुई है।	
	(F) जूट उत्पादन में भारत का विश्व में इसरा स्थान है।	
	(G) यह प्र मनिपुर, जोरखपुर में है।	



# मुख्य पराक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

काल  
में न  
लिखें

प्रश्न  
संख्या

4 H

प्रवास एक स्थान से दूसरे स्थान पर  
गमन प्रवास कहलाता है।

कारण

(1) उपर्युक्त कारण (+)

(2) उपर्युक्त कारण (-)

अपर्युक्त कारण

(1) रोजगार के लिए

(2) बेहतर शिक्षा हेतु

(3) स्वास्थ्य सुविधायों हेतु

(4) बेहतर जीवन स्तर हेतु

(5) प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान

शहरों में स्थित होने के कारण

अपर्युक्त कारण (-)

(1) गरीबी

(2) बेरोजगारी

(3) महिला

(4) स्वास्थ्य सुविधायों का न होना

(5) परिवहन व्यवस्था

(6) घर का न होना

(7) कृषि के लिए भूमि का न होना



प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

2 J

I

जब नदियाँ अपनी सीमा को पार करके  
पास-पास के क्षेत्र में जल घुस जाना है  
तब बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

बाढ़ के कारण

- (1) नदी में प्रदूषित अवसाद का जमन
- (2) वनों की अंधाधुंध कटाई
- (3) बांध का टूटना
- (4) नदी का मार्ग बदलना
- (5) नदी किनारे बसवट डालना

समाधान

- (1) बांध का बड़े जलाशयों का निर्माण
- (2) वृक्षारोपण करना
- (3) नदी जोड़ो कार्य करना
- (4) बाढ़ की इपगुटों द्वारा भविष्यवानी करना
- (5) बाढ़ पूर्वानुमान केंद्रों की स्थापना



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

2 I

भारतीय मानसून

सतत विकास से अधिकतर है की भावी पीढ़ियों के लिए आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमताओं से सम्झौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करना

सतत विकास के लिए उर्ध्व

- (1) पेरिस सम्झौता 2015
- (2) मन्दिपल, ब्योटी प्रोयोगल
- (3) जवाहरनेहर सौर मिशन (2008)
- (4) सामाजिक न्यायी
- (5) शुद्ध कृषि विकास
- (6) मृदा संरक्षण
- (7) कृषि जलवायुविज्ञ प्रोत्साहन
- (8) मृदा संरक्षण योजना
- (9) प्रोजेक्ट टाउगर
- (10) हरित न्यायिकरण
- (11) ग्रीन इंडिया मिशन

सतत विकास की प्रवधारणा

सतत विकास को ग्रहण करने हुए विकास जिससे किसी भी पक्ष को नुकसान न हो वे सामाजिक, आर्थिक विकास हो सकें।

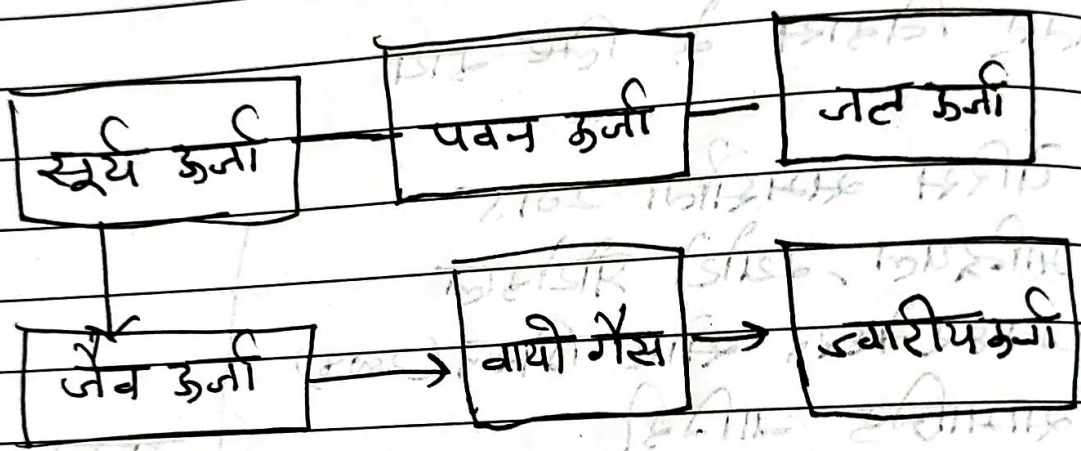


प्रश्न संख्या

3 C

ऊर्जा वे वे स्रोत जो परंपरागत ऊर्जा स्रोत के विरुद्ध के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।

स्रोत



(1) सौर ऊर्जा

भारत को वर्ष में 300 दिन सौर ऊर्जा प्राप्त  
राष्ट्रीय सोलर मिशन  
2022 तक 1 लाख गीगावाट की लक्ष्य

प्रयोग → सौर पैनल  
घर्मित पावर स्टेशन  
फोटो वोल्टिक सेल  
सोलर कुंडर के रूप में



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

मध्य प्रदेश के संदर्भ

650 मेगावाट का सोलर प्लांट का शुभारंभ  
रीवा में गुवा में  
सोलर प्लांट सेवनी बिजनी दिल्ली में  
की दी जाएगी

(2) पवन ऊर्जा

पवन ऊर्जा में उत्पादन में

5 वां स्थान

डेपेंडेंस प्रथम स्थान पर  
भारत में गुजरात व आंध्र प्रदेश  
प्रमुख राज्य

पवन ऊर्जा  $\rightarrow$  23 GW क्षमता

उपयोग

वायु ऊर्जा द्वारा विपुल उत्पादन

प्रभाव प्रदान करने के लिए चिकित्सा

सिंचाई हेतु जल को उठाने हेतु

(3) ज्वारीय ऊर्जा

समुद्री जल से प्राप्त ऊर्जा

वर्तमान क्षमता  $\rightarrow$  1.5 GW



प्रश्न संख्या

जैव ईंधन - बायो डीजल  
जेड्रोफा के बीज द्वारा उत्पादित  
इथेनाल के मिश्रण के साथ प्रयुक्त

हाइड्रोजन ऊर्जा स्वच्छ ईंधन  
राष्ट्रीय हाइड्रोजन बोर्ड

सूर्य-तापीय ऊर्जा पृथ्वी के चंद्र संग्रहित ऊर्जा  
जम्मू कश्मीर - पूगा  
हिमाचल - मणिपुरा क्षेत्र

बायो गैस गोबर द्वारा प्राप्त ऊर्जा  
सस्ती व सुलभ  
मीपेन वा बार्बनगर ग्रामसभ

ये ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत है जो अभी समाप्त नहीं होगें। अतः इसे इनका उपयोग अधिक करना होगा ताकि पर्यावरण भी धारि न हो।



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

3 D

सागर के जल में बने हुए पदार्थों के भार के अनुपात को सागरीय लवणता कहते हैं।

सागर में पत्त प्रकार के लवण पाए जाते हैं जिनमें से लवण महत्वपूर्ण हैं।

(1) सोडियम क्लोराइड (77%)

(2) मैग्नीशियम क्लोराइड (10%)

(3) मैग्नीशियम सल्फेट (4%)

(4) कैल्शियम सल्फेट (2.5%)

(5) पोटेशियम सल्फेट (2%)

लवणता के कारण

↳ वाष्पीकरण की मात्रा

↳ नदी के जल का मिलना

↳ सागरीय धाराएं



प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

लवणता का वितरण

→ मू-मध्य रेखा से ध्रुवों की ओर जाने पर लवणता में बुझी

→ मू-मध्य रेखा में उच्च लवणता नहीं मिलती क्योंकि यहाँ वाष्पीकरण अधिक होता है

→ उच्च अक्षांशों में गारदरि वे साथ लवणता बढ़ती हैं।

→ मू-मध्य रेखा में गारदरि में लवणता बढ़ती है पुनः अधिक गारदरि में उमड़ीमे लगती है



# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखे

न  
व्या

लवणता का मापन

लवणता मापी केंचु डारा

सागरो की लवणता → 33 से 35% के बीच  
सौसत लवणता → 35%

नदियों में कैल्शियम की मात्रा → 10% तक  
सोडियम क्लोराइड → 2% लगभग

कि कुछ भाग में लवणता अधिक है इसकी  
कारण कि वहाँ जहाँ कि लवणता कम है  
उसके कारण कि वहाँ लवणता कम है  
कि वहाँ लवणता कम है कि वहाँ लवणता कम है

जो वहाँ लवणता कम है  
उसके कारण कि वहाँ लवणता कम है  
कि वहाँ लवणता कम है



3 E

भूकंप से माशुम भू-पटल पर आसिमात व कंपन से हैं। यह प्राकृतिक व मानवीय दो प्रकार से हो सकता है।

भूकंप का कारण

प्राकृतिक कारण → ज्वालामुखी क्रिया, प्लेट का रिसकना, भू-गर्भिक गैसों का फैलना

क्रिया → प्रत्येक चट्टान में तनाव सहने की एक क्षमता होती है। यदि उसके मविड कम लगे तो चट्टान टूट जाती है। जिससे भूकंप की घटना होती है व कंपन होता है

मानवीय कारण

बांध का निर्माण  
खनन के लिए विस्फोट  
परमाणु परीक्षण



रूप से सा  
अप

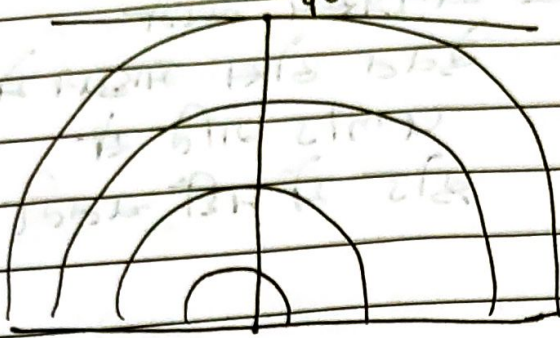
# मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

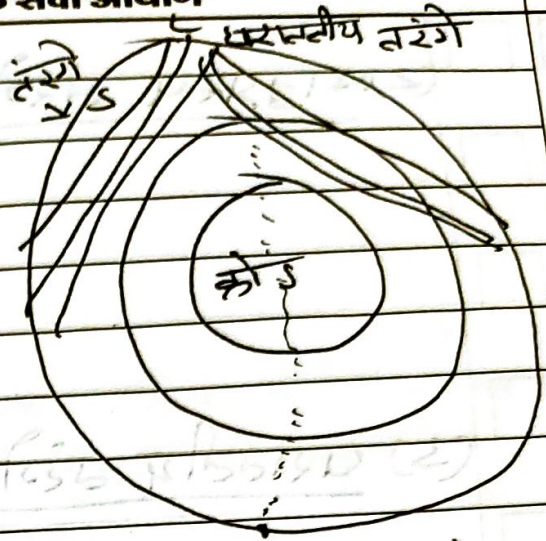
हाथिए  
में न  
लिखे

प्रश्न  
संख्या

भ्रूंकप भण्डिका



भ्रूंकप मूल



पी तंरगे

जिस जगह से भ्रूंकपीम्य तंरगे उत्पन्न  
होती है भ्रूंकप मूल कहते हैं और वहां  
ये बिखरे व. सबसे पहले पहुँचती है  
भ्रूंकप वेन्ड कहते हैं।

- (1) P प्रथम प्राथमिक तंरगे
- (2) S मनुप्रस्थ तंरगे
- (3) L धरातलीय तंरगे

(1) P तंरगे - मनुप्रस्थ तंरग  
होस, तरल, गैस सब में  
प्रवाहित

जहाँ जहाँ कहीं भी चाल से







# म.प्र. मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए  
में न  
लिखें

22000 हजार व्यक्तियों की मृत्यु  
11,50,000 लोग घायल

कारण

इंडियन प्लेट व यूरोशियन प्लेट का टकराव  
प्लेट निरंतर टकराती रहती है।

शाहत

(1) भारतीय सेना ने तत्काल शाहत कार्य  
आरंभ किया।

(2) रेडक्रास सोसाइटी ने तत्काल सहायता  
पहुँचायी

निरूपण - यह एक प्राकृतिक आपदा थी  
ऐसी आपदाओं के लिए सुनियोजित योजना  
केन्द्रों की स्थापना की गयी।